आज की मुरली का सार --

बाबा ने कहा, हम आत्माओं को ज्ञान की तीसरी आंख मिली हे तो इसे युज कर बाबा की नजर से नजर मिलावो तो निहाल हो जायेंगे अर्थात विश्व के मालिक बन जायेंगे.

बाबा से दृष्टि लेते वक्त खुद को आत्मिक स्थिति में स्थित कर सामने स्वयं परमप्रिय-परमपिता-परमआत्मा, शिवबाबा से दृष्टि ले रहे हे, इस निश्चय से दृष्टि लेने से हमारी आत्मा में बल भर जाता हैं, आत्मा गुणों ओर शक्तिओ से भरपूर हो जाती हे. इसको ही कहते हे, आत्मा बेहाल से निहाल हो गई या मुरझाई हुई आत्मा की ज्योति वापस जग गई.

बाबा ने बताया हे की इस साधारण तन में आये हुवे सर्वशक्तिमान भगवान को पहचानने कि ज्ञान की तीसरी आंख विश्व कि कुछ गिनी-चुनी भाग्यशाली आत्माओं को ही मिली हैं, इस नसें में रह कर खुद को संपूर्ण पावन बनाने का तीव्र-पुरुषार्थ करना ही हैं.

इस मुरली सार के साथ, बाबा की लेटेंस्ट वाणी की दृष्टि कि विडियो कि लिंक भेज रहे हे. ज्ञान की तीसरी आंख को युज कर बाबा से दृष्टि लेने का पुरुषार्थ करेंगे तो हम आत्माये निहाल हो जायेंगी.

https://www.youtube.com/watch?v=9EnbwdiO4H4&list=PLqwopBiCrA14FU4y3EY2JSK_i10OVj7lF

ॐ शांति.